ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्
साप्ताहिक
आर्य सन्देश
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

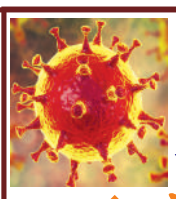

कोरोना वायरस संक्रमण
घर में रहें – सुरक्षित रहें
सरकार के निर्देशों का पालन करें
स्वयं बचें – परिवार बचाएं– देश बचाएं

वर्ष 43, अंक 21 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 6 अप्रैल, 2020 से रविवार 12 अप्रैल, 2020
विक्रमी सम्वत् 2077 सृष्टि सम्वत् 1960853121
दयानन्दाब्द : 197 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
दूरभाष: 23360150 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

चीन में विकासित कोरोना वायरस से सम्पूर्ण विश्व में फैली संक्रमण की महामहारी

सत्रह लाख से अधिक की जनसंख्या कोरोना वायरस की चपेट में : एक लाख बनें काल के ग्रास

प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को महामारी से बचाव हेतु समय रहते किया सम्पूर्ण लॉक डाउन

गरीब, असहाय, दैनिक मजदूरों, जरुरतमन्द परिवारों की सहायतार्थ सरकार के साथ-साथ आर्यसमाज कर रहा है भोजन एवं राशन पहुंचाने की सेवा

आर्यसमाज ने अपने स्थापना काल से ही देश पर आई विपत्तियों में की है अद्वितीय राष्ट्र सेवा : आओ हाथ बढ़ाएं – गरीब, प्रवासी दैनिक मजदूरों, जरुरतमन्द परिवारों का सहयोग करें

पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी ने 50 लाख से आर्यसमाज आपदा कोष की स्थापना

प्रधानमन्त्री एवं मुख्यमन्त्री राहत कोष – दिल्ली, हरियाणा एवं सिक्किम में किया 6 करोड़ की राशि का सहयोग

समस्त आर्य समाजें, आर्य प्रतिनिधि सभाएं एवं आर्य शिक्षण संस्थान – जरुरतमन्द प्रवासी दिहाड़ी मजदूरों का हर सम्भव करें सहयोग

– सुरेशचन्द्र आर्य, प्रधान, सार्वदेशिक सभा

नमस्ते जी,

आशा है आप सभी स्वस्थ एवं सानंद होंगे।

हम यह भी आशा करते हैं कि आप कोरोना वायरस के संबंध में भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं संपूर्ण देश में लॉक डाउन का पालन कर रहे होंगे। आप आज के वर्तमान हालातों से परिचित ही होंगे। आज भारत सरकार समस्त राष्ट्र के नागरिकों के साथ मिलकर कोरोना वायरस के विरुद्ध युद्ध कर रही है और सरकार कहीं ना कहीं अपनी तरफ से हर प्रकार से प्रयास कर रही है कि भारत में कोरोना वायरस के प्रभाव को आगे बढ़ने से रोका जाए।

सरकार द्वारा उठाया गया लॉक डाउन का कदम भारत के नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण कदम है और आर्य समाज भारत सरकार के इस कदम का स्वागत करता है लॉक डाउन की स्थिति को बनाए रखने एवं नागरिकों को जागरूक करने के लिए और इस वैश्विक महामारी से देश को बचाने के लिए हर संभव सहयोग के लिए

सेवा कार्यों के संचालन हेतु समस्त विश्व की आर्य संस्थाओं एवं दानी महानुभाव से सहयोग का आह्वान

– धर्मपाल आर्य, प्रधान दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

प्रयत्नशील है।

ऐसी स्थिति में सभा ने निश्चय किया है कि ऐसे हालात में जो भी ऐसे जरूरतमंद दैनिक मजदूर रोज कमाने वाले लोग हैं उनकी किसी न किसी रूप में सहायता करें क्योंकि लॉक डाउन की स्थिति के कारण उन्हें कहीं भी ना तो आ जा सकते हैं और ना ही कहीं काम करके अपने परिवार का भरण पोषण के लिए कुछ कमा कर ला भी सकते हैं।

इसलिए इसलिए महर्षि दयानंद सरस्वती जी द्वारा आर्य समाज के लिए निर्धारित नियम **'सब की उन्नति में ही अपनी उन्नति समझनी चाहिए'** का पालन करते हुए इन जरूरतमंदों, दैनिक मजदूरों व प्रभावित लोगों की सहायता के लिए स्थानीय स्तर पर और केंद्रीय स्तर पर भी कुछ ना कुछ सहयोग करें।

आर्य समाज ने देश पर आई विपत्तियों से लड़ने के लिए नागरिकों के सहयोग के लिए अपने स्थापना काल से ही कार्य किया है। – शेष पृष्ठ 8 पर

निरन्तर जारी है गरीब, असहाय, मजदूरों, जरुरतमन्द परिवारों को आर्यसमाज की भोजन एवं राशन पहुंचाने की सेवा

प्रसिद्ध उद्योगपति, दानवीर भामाशाह एम.डी.एच. के चेयरमैन पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी अपने हाथों से भोजन के पैकेट तैयार करते हुए, साथ में हैं दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य, उप प्रधान श्री ओम प्रकाश आर्य, आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली के महामन्त्री श्री सतीश चड्डा एवं एम.डी.एच. परिवार के सदस्य श्री प्रेम अरोड़ा जी।

कोरोना संक्रमण आपदा में आपका सहयोग

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर भारत के गरीब, असहाय, दैनिक मजदूरों, दिहाड़ी मजदूरों तथा समाज के निम्न वर्ग को भूख से बचाने तथा उन्हें राशन उपलब्ध कराने के लिए अनेक दानी महानुभावों, आर्यसमाजों एवं आर्य संस्थानों से सभा को आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। आर्यसमाज उन सबका हार्दिक धन्यवाद करते हैं और आप सबसे अधिकाधिक सहयोग प्रदान करने हेतु करबद्ध अपील करते हैं। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा दिया गया दान आयकर की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर छूट प्राप्त है।

इस कोरोना वायरस आपदा में सहयोग देने वाले दानी महानुभावों की सूची पृष्ठ 7 पर प्रकाशित की गई है।

वेद-स्वाध्याय

मुझे सबका प्यारा बनाओ

प्रियं मा कृणु देवेषु प्रियं राजसु मा कृणु।
प्रियं सर्वस्य पश्यत उत शूद्र उतार्ये।। - अथर्व० 19/62/1
ऋषिः-**ब्रह्मा।।** देवता-**ब्रह्मणस्पतिः।।** छन्दः-**अनुष्टुप्।।**

शब्दार्थ - हे प्रभो! **मा** = मुझे **देवेषु** = देवों में (ब्राह्मणों में) **प्रियं कृणु** = प्यारा करो **मा** = मुझे **राजसु** = राजाओं में (क्षत्रियों में) **प्रियं कृणु** = प्यारा करो, **सर्वस्य पश्यतः** = सब देखनेवालों का भी **प्रियम्** = प्यारा करो, **उत शूद्रे** = शूद्र में भी और **उत आर्ये**=आर्य में भी, सबमें, मुझे प्यारा बनाओ।

विनय-हे मेरे प्यारे प्रभो! तुम मुझे सबका प्यारा बनाओ। मै। यदि सचमुच तुम्हारा प्यारा बनना चाहता हूँ तो मुझे तुम्हारे इस सब जगत् का प्यारा बनना चाहिए। तुम तो इस जगत् में सर्वत्र हो, छोटे-बड़े, ऊँचे-नीचे सभी प्राणियों में मन्दिर बनाकर बसे हुए हो। यदि इन रूपों में मैं तुमसे प्यार न कर सकूँ तो मैं तुम्हें प्यारा कहके क्योंकर पुकार सकूँ? ये सांसारिक लोग बेशक अपने से बड़ों, बलवानों, धनवानों और प्रतिष्ठावालों के ही प्यारे बनना चाहते हैं, अपने से छोटों, गरीबों, दलितों और असहायों के प्यारे बनने की कोई आवश्यकता नहीं समझते। ये बेशक अपने राजाओं और स्वामियों का प्रेम पाना चाहते हैं, किन्तु अपनी प्रजा और नौकरों का प्रेम पाने की कभी इच्छा नहीं करते, परन्तु इसी में तो तुम्हारे सच्चे प्रेमी होने की परीक्षा होती है, क्योंकि इन गरीबों, पीड़ितों असहायों का प्रेम चाहना ही असल में तुमसे प्रेम करना है। बलियों, धनियों और राजाओं से प्रेम की इच्छा करना तो सांसारिक बल से, सांसारिक धन से, सांसारिक प्रभुत्व से प्रेम करना है, तुमसे प्रेम करना नहीं है। इसलिए मुझे तो तुम जहाँ देवों और राजाओं का प्यारा बनाओ, वहाँ इन सब देखनेवाले सामान्य लोगों का तथा नौकरों और सेवकों का भी प्यारा बनाओ। जहाँ ब्राह्मणों और क्षत्रियों का प्यारा बनाओ वहाँ इस सामान्य प्रजाओं (वैश्यों) और शूद्रों का भी प्यारा बनाओ। शूद्रों और आर्यों का, नीचों और ऊँचों का, शिष्यों और गुरुओं का, सेवकों और स्वामियों का, अधीनों और अधिकारियों का, सब छोटों और बड़ों का मुझे प्यारा बनाओ। मुझे ऐसा बनाओ कि इस संसार में जो कोई मुझे देखे, मेरे सम्पर्क में आये, वह मुझसे प्यार करे। हे प्रभो! मैं तो तुम्हारे इस सब संसार से प्रेम की भिक्षा माँगता हूँ, क्योंकि मैं देखता हूँ कि जबतक मैं तुम्हारे इस छोटे-बड़े समस्त संसार से प्रेम नहीं करूँगा तबतक, हे मेरे प्यारे! मैं कभी तुम्हारे प्रेम का भाजन न हो सकूँगा, तुम्हारे प्रेम का अधिकारी न बन सकूँगा।

-: साभार :- वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

लॉक डाउन पर तब्लीगी जमात का पलीता

..... असल में तब्लीगियों ने आम आदमी को अपने जिम्मेदारियों सांसारिक दायित्वों से अनजान कर देश व राष्ट्र का बेड़ा गर्क कर दिया है। वे हर किसी को अपने साथ प्रचार में ले जाने की जिद पर हैं। खुद तो अपनी जिम्मेदारियों से बचते हैं और दूसरे को भी इसी राह पे लगाने की कोशिश करते हैं। सवाल यह है कि अगर कोई व्यक्ति अपना घर बार, पत्नी बच्चे छोड़कर साल भर, तीन महीने या चालीस दिन के लिए दूसरों को सीधा रास्ता दिखाने निकल पड़े और इस बीच अपने घर वाले भटक जाएं तो क्या तीर मारा। पत्नी बीमार बच्चे को लेकर कहाँ मारी मारी फिरेगी, जिसे पता ही नहीं कि अपने शहर में अस्पताल किधर है और जिसे आप पुरुष चिकित्सक से मिलने नहीं देते कि वह नाम हराम है। .....

25 मार्च को जब पीएम नरेंद्र मोदी ने 21 दिनों तक लॉक डाउन की घोषणा की थी। उस समय देश में कारोना संक्रमितों की संख्या महज 600 थी और लॉक डाउन की घोषणा के बाद अनुमान लगाया जा रहा था कि यह संख्या हजार के आस पास सिमट जाएगी। देश की जनता ने भी लॉक डाउन का पालन किया लेकिन मुस्लिम समुदाय का एक हिस्सा इससे बेपरवाह होकर देश की राजधानी के केंद्र निजामुद्दीन में तबलीगी जमात की सभा का आयोजन करता रहा। इस इस्लामिक सभा में देश-विदेश से हजारों मुसलमान शामिल होते हैं। विदेशी जमातियों में आने वाले अधिकांश उन्ही देशों से हैं जहां कोरोना महामारी का प्रकोप बहुत अधिक हुआ है, जैसे चीन, ईरान, इंडोनेशिया, मलेशिया, सऊदी अरब, इंग्लैंड और अनेक अन्य मध्य एवं पश्चिम एशियाई देश। इनमें संक्रमित व्यक्तियों की संख्या अधिक हो सकती थी और वही हो रहा है इस कारण आज यह संख्या सात हजार से अधिक हो गयी है।

एक अनुमान के अनुसार इस आयोजन में 2300 से अधिक लोग सम्मिलित हुए थे, जिसमें 300 लोगों को बुखार, खांसी, सांस लेने की समस्या और सर्दी-जुकाम होने की पुष्टि हो चुकी थी। चिंता की बात यह है कि इनमें 250 से अधिक की संख्या विदेशी मजहबी प्रचारकों की थी, जो लाक डाउन और सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ा रहे थे। इससे साफ पता चलता है कि अगर भारत में कोरोना को हराने की सोची भी जाये तो भी नहीं हरा सकते कारण जमात की एक दूसरे को दिखावे की नमाज से कोरोना को भर पेट चारा जो मिला मिल रहा है। लॉकडाउन पूरा फैल कर दिया, मस्जिदों से रोके तो इक्कठा होकर घरों में नमाज पढने लगे और इस विषम परिस्थिति में देश की एकता पर जितना पलीता लगा सकते थे लगा रहे हैं।

जब केवल इतने भर से काम नहीं चला तो देश के अलग-अलग हिस्सों में पुलिस बल पर पथराव की घटना सामने आई, मेडिकल टीम पर हमला रहा हो या डॉक्टरों के ऊपर थूकने की घटना रही हो, नर्सो के साथ अश्लील व्यवहार से लेकर तब्लीगी जमात से जुड़े लोगों ने कोई कोर कसर बाकि नहीं छोड़ी। इस संकट के जो मानवीय व्यवहार की अपेक्षा की जा रही थी वह खोखली कल्पना साबित हुई।

गलती तो है जब पूरी दुनिया 15 तारिख से ही जानती थी कि लाँक डाउन होना है तब इतने लोगों को उनके घर पहुँचाने की जिम्मेदारी जमात की होती है, लेकिन सोच गुमराह किये जाते रहे कि वहाँ सारे आलिम-फाजिल लोग है और मौत तो अल्लाह के हाथ में है, बोल-बोल कर खुद भी गुमराह होते रहे और अपनी कौम को भी गुमराह करते रहे, नतीजा क्या हुआ? बिमारी और मौत। जब दस दिन पहले ही अण्डमान मे दस लोग कोरोना से पीड़ित पाये गये थे जो कि मरकज से ही गये थे लेकिन इन्हें मजाक लगता रहा क्योंकि इनके पास कोरोना से न डरने वाली तकरीरों की विडियो भेजी जा रही थी कि पांच वक्त के नमाजी को कोरोना नही होता।

असल में तबलीगी जमात की शुरुआत मुसलमानों को अपने धर्म बनाए रखने के लिए की गई। इसके पीछे कारण यह था कि मुगल काल में जब हिन्दुओं ने इस्लाम कबूल किया था, लेकिन फिर वे सभी हिंदू परंपरा और रीति-रिवाज में लौट रहे थे। ब्रिटिश काल के दौरान भारत में आर्य समाज ने उन्हें दोबारा से हिंदू बनाने का शुद्धिकरण अभियान शुरू किया था, जिसके चलते मौलाना इलियास कांधलवी ने तबलीगी का खेल शुरू किया था।

तब से तब्लीगी जमात के नाम पर हर साल लाखों की संख्या में मुसलमान तब्लीगी समारोहों में भाग लेते हैं, और लाखों लोग पूरे देश में फैल जाते हैं मजहब की कसमें दिलाते हैं। पिछले पच्चीस से तीस वर्षों में यह संख्या कुछ हजार से बढ़कर करोडो में पहुँच गयी है और इस में इजाफा ही होता चला जा रहा है। इन का मुख्य केंद्र भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश है मगर अब कुछ विदेशो में भी इस का विस्तार हो चूका है। पिछले पच्चीस, तीस साल में जितना प्रचार में इजाफा हुआ है, उतना ही इन देशो में आतंकवाद अत्याचार, उत्पीड़न, अन्याय और भ्रष्टाचार में वृद्धि हुई है। ऐसा क्यों है? इसका जवाब प्रचार करने वालों के पास भी नहीं है। बस कह देते है इसकी वजह भी अमेरिका और इजरायल की साजिश है।

इस प्रचार में मुख्य समस्या यह दिखती है कि उनका सारा जोर इस्लाम की हिदायत पर होता है। समस्याओं का सामना करने की बजाय उनके पास हर समस्या का एक सरल सा जवाब है कोई बीमार है, किसी को जुकाम है किसी के पेट में दर्द है इनके पास एक जवाब है कि मजहब से दूरी और मजहब दूरी का मतलब दो, तीन बातें हैं नमाज पढ़ना, कुरान की तिलावत करना, दाढ़ी रखना, सलवार टखने ऊपर बांधना, बुरका पहनना आदि। अन्य धर्मो के लोगों को काफिर बताना इसके बाद ये कहते है सब अल्लाह के सहारे छोड़ दो, जो भी होगा अल्लाह करेगा बस हम नमाज पढ़ते रहे।

मगर इनको कौन समझाए कि यहाँ इंसान को सिर्फ नमाज के लिए पैदा नहीं किया है, न सिर्फ दाढ़ी टोपी बुर्के के प्रचार के लिए पैदा किया गया। करते क्या है एक आम सीधे साधे मुसलमान को पकड़ते है उसे कट्टर बना देंगे। जैसा कि वसीम रिजवी ने कहा है। इससे ज्यादा इनका कोई काम नहीं है, कोई बताये अभी तक कितनी जमाते लादेन के घर गयी? कितनी जमातें बगदादी को अल्लाह का रास्ता समझाने गयी? तहरीक ए तालिबान के कितने आतंकियों को समझाया? पता नहीं इनके पास जाने हिम्मत ही नहीं होती या जरूरत महसूस नहीं करते।

दूसरा अभी तक कितनी तबलीगी जमाते देश में संकट के समय में काम आई, समाज सेवा का काम किया हो। किसी सडक के गड्ढे में दो टोकरा मिटटी डाली हो उल्टा आज जब देश पर संकट है तब भी लोगों को समझाने के बजाय उल्टा अपने लोगों को ही कोरोना वायरस संक्रमित करते भारत भर घूम रहे है।

- शेष पृष्ठ 7 पर

क्या अन्धविश्वास से मिलेगी कोरोना मुक्ति?

.....आज भी लोग बीमारियों का इलाज माहिर डाक्टरों से न करा कर बाबाओं, पीर-फकीरों की शरण में खोजते हैं। ऐसे में हर रोज हजारों लोगों को पाखंड और पोंगापंथी के चक्कर में अपनी जान गंवानी पड़ती है। एक तो लोग झाड़फूंक के चक्कर में पड़ कर अपनी बीमारी को गंभीर बना लेते हैं या मौत के मुंह में चले जाते हैं। कई बार मरीजों को झाड़फूंक न कराने की सलाह देने पर उन्हें भी लोगों के विरोध का सामना करना पड़ता है। इसमें कई बार तो पढ़े लिखे भी फंस जाते है इन लोगों की इलाज के लिए बाबाओं के आगे लाइन लगाने की खास वजह यह होती है कि उन के मन में बचपन से ही अंधविश्वास को ले कर डर बैठा दिया जाता है जिसे वे बड़ा होने पर भी अपने मन से निकाल नहीं पाते हैं।.....

एक ओर आर्य समाज की संस्था देश भर में गरीब बेसहारा लोगों को भोजन, राशन, फल सामग्री उपलब्ध करा रही है, इस संकट के समय में लोगों का सहारा बन रही है और कोरोना को लेकर बार-बार अंधविश्वास से बचने की सलाह भी दी जा रही है, लेकिन इसके बाद भी ग्रामीण आंचलो से इस प्रकार की खबर आ रही हैं कि कुछ ओझा अंधविश्वास के नाम पर पोंगापंथी कर लोगों को बहका रहे हैं। कहने को यह 21वीं सदी का वैज्ञानिक दौर है लेकिन सोच अभी भी कुछ लोगों की वही पुरानी और दकियानूसी क्यों हैं? मध्य प्रदेश के जिला भिंड को ही लीजिए, यहां लोग आजकल रात के समय अपने घर के बाहर यमदीप जला रहे हैं और तर्क यह है कि इस दीपक से यमराज प्रसन्न होंगे और मृत्यु उन लोगों से दूर रहेगी।

दूसरा कुछ दिन पहले बांकेगंज, गुलरिया और तिकुनियां कस्बे में रात को नौ बजे अधिकांश महिलाओं ने नलों से बाल्टियों में पानी भरना शुरू कर दिया। और फिर मंदिर के प्रांगण में स्थित कुएं में यह पानी लौटा दिया। जिस महिला की जितनी संतान थी उसके हिसाब से बाल्टियां भरी। फिर वापिस आकर घरों की देहरी पर दिए जलाए। ताकि उनका घर पति और संतान महामारी से बचे रहें।

बताया जा रहा है कि गुलरिया नामक गांव में तो महिलाएं सब लोगों से दस दस रुपये इकट्ठा करती दिखी। जिसके पीछे उद्देश्य था दूसरे के रुपए से हरी चूड़ियां खरीद कर पहनना, ताकि उनकी संतानें जीवित रह सकें। अभी हाल में ही एक हिंदी मूवी आई थी स्त्री। उसी की नकल करते हुए, आजकल काशी की गलियों में 'ओ कोरोना कल आना' के पोस्टर लगाए गये हैं। दूसरी और जमीयत उलेमा हिंद मेरठ के शहर काजी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सब लोग पाँच समय नमाज करें और अल्लाह से रो-रोकर दुआ मांगे। उनके अनुसार दुनिया में लोग जब अल्लाह की ना फरमानी करते हैं तभी ऐसे प्रकोप होते हैं।

इन दिनों ईरान, तेहरान, चीन, में हर रोज हालात बद से बदतर हो रहे हैं और ऐसे में लोग धार्मिक स्थलों का दरवाजा चाट रहे हैं। ताकि कोरोना का प्रकोप उन पर असर ना करें। सिर्फ इतना ही नहीं इसके अलावा जेल में बंद रामपल के कुछ चेले भी प्रधानमंत्री को चिठ्ठी लिख रहे है कि कोरोना महामारी को संत रामपाल जी महाराज जी खत्म कर सकते हैं इसलिए भारत के प्रधानमंत्री से अपील है कि संत रामपाल जी महाराज से प्रार्थना करें।

यही नहीं इन पागलों ने साथ में प्रधानमंत्री को एक मन्त्र भी टैग किया जो कोरोना का समाप्त कर देगा - मन्त्र भी सुन लीजिये - **'बंदी छोड़ कबीर साहेब की जय, जगतगुरु संत रामपाल जी महाराज की जय।'** पता नहीं ये मन्त्र है या टीका। मतलब चीन, अमेरिका, इटली, स्पेन में हजारों लोग मर रहे है वहां के डॉक्टर पस्त है लेकिन ये टीका रामपाल के चेलों ने बना दिया। रामपाल ही क्यों फेसबुक पर राम रहीम वाले भी इस दौड़ में पीछे नहीं है। राम रहीम वाले कह रहे है भुगतों नतीजे संत गुरमीत जी को गिरफ्तार करने के कारण ही कोरोना फैला है।

यह सब अंधविश्वास को लेकर कुछ उदाहरण है, जो इन इन दिनों देश में ही नहीं विदेशों में भी लोगों की मानसिकता पर असर करने लगे हैं। अगर इन मामलों को ध्यान से देखें तो दो चीजें साफ नजर आती है एक तो ये चीजें हमारे समाज में बहुत गहरी है। सालों पहले चिकित्सा के कम साधन थे तो उस समय इन्हीं टोने टोटको के भरोसे हमारा समाज चल रहा था कोई किस्मत से ठीक हो गया तो चमत्कार वरना उस पर भूत प्रेत बुरी आत्मा का साया मान लिया जाता था। हालात कुछ ऐसे हो गए हैं कि लोग ऐसे समय में भी दूसरे को ठगने या बेवकूफ बनाने से बाज नहीं आ रहे। डरे हुए लोगों को किस्से कहानियों के जरिए उनकी समस्याओं को दूर करने का विश्वास दिलाकर और सब परेशानियों से बचाने का आश्वासन देकर ठगविद्या जोरों से चालू है। यदि कोई समझदार इन अंधविश्वासों पर प्रकाश डाले तो उसको पूरी तरह से खारिज कर बेवकूफ करार दिया जा रह है। साथ ही अंधविश्वास फैलाकर इतनी भ्रामक स्थितियां पैदा की जा रही हैं कि इंसान फंसा हुआ महसूस कर आने को मजबूर है।

इस देश में आज भी लोग बीमारियों का इलाज माहिर डाक्टरों से न करा कर बाबाओं, पीरफकीरों की शरण में खोजते हैं। ऐसे में हर रोज हजारों लोगों को पाखंड और पोंगापंथी के चक्कर में अपनी जान गंवानी पड़ती है। एक तो लोग झाड़फूंक के चक्कर में पड़ कर अपनी बीमारी को गंभीर बना लेते हैं या मौत के मुंह में चले जाते हैं। कई बार मरीजों को झाड़फूंक न कराने की सलाह देने पर उन्हें भी लोगों के विरोध का सामना करना पड़ता है। इसमें कई बार तो पढ़े लिखे भी फंस जाते है इन लोगों की इलाज के लिए बाबाओं के आगे लाइन लगाने की खास वजह यह होती है कि उन के मन में बचपन से ही अंधविश्वास को ले कर डर बैठा दिया जाता है जिसे वे बड़ा होने पर भी अपने मन से निकाल नहीं पाते हैं।

ऐसी बीमारियों में डाक्टरी इलाज का सहारा लेना चाहिए, न कि बे सिर पैर की बातों में फंस कर अपनी जेब ढीली कर दी जाए। आज कोरोना को लेकर भी ऐसी ही भ्रान्तिया समाज में पाली जा रही है। ध्यान रखिये लॉक डाउन कोई टोटका नहीं है बल्कि यह एक बचाव का तरीका है ताकि सामाजिक दुरी बने रहे और वायरस ज्यादा न फैल पाए। लेकिन इसे समझने के बजाय कुछ लोग नमाज से तो कुछ अन्य टोटके अपनाकर इसे भगाना चाह रहे है। - ***विनय आर्य, महामन्त्री***

विश्व की समस्त आर्य समाजों, प्रान्तीय सभाओं, आर्य संस्थाओं के अधिकारियों से सार्वदेशिक सभा का निवेदन

कोरोना वायरस को हराने और प्रवासी नागरिकों का हर सम्भव सहयोग करें - सुरेशचन्द्र आर्य

श्री प्रधान जी एवं मन्त्री जी

नमस्ते जी, आशा है आप सभी स्वस्थ एवं सानंद होंगे।

हम यह भी आशा करते हैं कि आप कोरोना वायरस के संबंध में भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों एवं संपूर्ण देश में लॉक डाउन का पालन कर रहे होंगे। आप आज के वर्तमान हालातों से परिचित ही होंगे। कोरोना वायरस के प्रभाव को सीमित और समाप्त करने के लिये सरकार द्वारा उठाया गया लॉक डाउन का कदम भारत के नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण कदम है। परंतु लॉक डाउन से अन्य राज्यों से हमारे राज्य में रोजी रोटी की तलाश में आए हुए जरूरतमंद, दैनिक मजदूरों रोज कमाने खाने वालों के सामने जीवन यापन की समस्या पैदा हो गई है। काम न मिलने के कारण यह प्रवासी नागरिक लॉक डाउन की स्थिति में बिना संसाधन के पैदल ही अपने अपने राज्यों को लौट रहे है।

इन प्रवासी नागरिकों के कल्याण एवं सहयोग हेतु सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा भारत की समस्त आर्य समाजों से इनके हर संभव सहयोग के अपील करती है। अत: आपसे निवेदन है कि आपकी आर्य समाज के क्षेत्र में सड़क पर यदि कोई प्रवासी नागरिक पैदल अपने परिवार के साथ या अकेला ही जाता हुआ नजर आए तो आप उसे भोजन-पानी और उसके मार्ग के लिए भी कुछ ना कुछ भोज्य सामग्री अवश्य प्रदान करें। यदि आप कुछ और भी सहयोग अपनी आर्य समाज, अपने विद्यालय या अपनी संस्था की ओर से उसे उपलब्ध करा सकते हैं, अवश्य कराए।

यह प्रवासी नागरिक हमारे अपने भाई, बंधु, सहयोगी, मित्र, दोस्त हैं। यदि हम इनका सहयोग करेंगे कहीं ना कहीं मानवता की रक्षा होगी और वैदिक धर्म का भी इससे प्रचार होगा। आप भोजन सामग्री के साथ साथ इन्हें कुछ सस्ता साहित्य दे सकते हैं जो कि मार्ग में सुस्ताने के समय उसे पढ़कर अपना समय भी व्यतीत कर सके। परिवार में पहुंचने पर उस साहित्य को इनके परिजन भी पढ़ेंगे और आर्य समाज के कार्यो को जन'जन तक पहुंचाने में सहयोगी बनेंगे।

भारत की समस्त आर्य समाजों, आर्य प्रतिनिधि सभाओं, शिक्षण संस्थाओं तथा व्यापारिक संस्थाओं से हमारा निवेदन है कि आप अपने क्षेत्र से गुजरने वाले इन भारतीय नागरिकों प्रवासी नागरिकों का हरसंभव सहयोग करें। धन्यवाद

भवदीय

पद्मभूषण महाशय धर्मपाल	सुरेशचन्द्र आर्य	प्रकाश आर्य	धर्मपाल आर्य
प्रधान	प्रधान	मन्त्री	प्रधान
आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली	सार्वदेशिक आर्य प्र. सभा		दिल्ली आर्य प्र.सभा

कोरोना वायरस के प्रभाव को रोकने एवं बचाव हेतु सुझाव एवं निर्देश

आर्य जगत के विद्वान, संन्यासियों, कार्यकर्ताओं, प्रचारकों से विशेष निवेदन

- ★ अपनी आवाजाही पर नियन्त्रण रखें। अपने साथ सैनेटाइजर रखें एवं मास्क का प्रयोग करें।
- ★ आर्यजन चार-चार के के समूहों में यज्ञ करें
- ★ परिवारों में औषधी युक्त हवन सामग्री से यज्ञ करें।
- ★ नमस्ते करें - हाथ मिलाने की आदत को तिलांजलि दें।
- ★ अपने आस-पास और घरों में सफाई का विशेष ध्यान दें।
- ★ अपने हर कार्य के उपरान्त साबुन से हाथ अवश्य धोएं।
- ★ सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के निर्णय के अनुसार आगामी 15 अप्रैल तक समस्त आर्य संस्थान अपने बड़े आयोजन स्थगित रखें।
- ★ अपने आस-पास के लोगों का ध्यान रखें कि कोई अस्वस्थ व्यक्ति न हो।
- ★ यदि हो तो उसे अस्पताल या डॉक्टरों के पास जाने के लिए प्रेरित करें।

- प्रकाश आर्य, मन्त्री, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

कोरोना वायरस से सम्पूर्ण विश्व में फैली संक्रमण की महामारी में सार्वदेशिक एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर

गरीब, असहाय, दैनिक मजदूरों, जरुरतमन्दों सहायतार्थ आर्यसमाज कर रहा है भोजन एवं राशन पहुंचाने की सेवा

आर्यसमाज डी ब्लाक विकासपुरी द्वारा किया जा रहा है विभिन्न क्षेत्रों में भोजन के पैकेटों का वितरण

आर्यसमाज ग्रेटर कैलाश एवं आर्यसमाज मोहन गार्डन द्वारा निकटवर्ती क्षेत्रों के निर्धन, गरीब परिवारों में फलों, बिस्कुट एवं भोजन के पैकटों का किया गया वितरण।

आर्यसमाज सागरपुर, विकास नगर एवं हस्तसाल द्वार लोक डाउन की तिथि से नियमित प्रतिदिन कई स्थानों पर भोजन के पैकेटों का वितरण कार्य जारी है।

आर्यसमाज आर्यसमाज महावीर नगर के प्रधान एवं द.दि. नगर निगम स्थाई समिति के चेयरमैन श्री यशपाल आर्य जी द्वारा सफाई कर्मियों का माल्यापर्ण एवं राशन वितरण। आर्यासमाज रानी बाग, आर्यसमाज गोविन्दपरी एवं आर्यसमाज सूरज मल विहार की ओर से भोजन एवं राशन सामग्री का विरतरण।

आर्यसमाज नौरोजी नगर, बाहरी रिंग रोड विकासपरी, रोहिणी सै. 7 एवं आर्य वीर दल प्रीति विहार की ओर से भोजन वितरण।

आर्यसमाज कीर्ति नगर एवं आर्यसमाज आदर्श नगर की ओर से जरुरतमन्द परिवारों को भोजन एवं राशन वितरण।

- जारी पृष्ठ 5 एवं 6 पर

दयानन्द मठ रोहतक में प्रवासी मजदूरों के लिए आवास सुविधा एवं परिवारों द्वारा दैनिक यज्ञ

जोधपुर में सैनिट्राइजेशन कार्य करते आर्यसमाज के कार्यकर्ता

मध्य प्रदेश के झाबुआ क्षेत्र में राशन का वितरण

आर्यसमाज दाल बाजार लुधियाना द्वारा भोजन वितरण

झारखण्ड के धनबाद एवं रांची में भोजन वितरण

आर्यसमाज घरोंडा द्वारा यज्ञ धुनि

महर्षि पाणिनि नगर पूंजला जोधपुर, आर्यसमाज ब्रह्मपुरी मेरठ एवं आर्य समाज औरंगाबाद (महा.) द्वारा भोजन एवं राशन का वितरण

आर्यसमाज मुरार ग्वालियर द्वारा भोजन वितरण

कोटा (राजस्थान) में प्रवासी मजदूरों को भोजन

कानपुर आर्यसमाज द्वारा राशन वितरण

गुरुकुल कोसरंगी 36गढ़ द्वारा सब्जी वितरण

दयानन्द सेवाश्रम संघ द्वारा थांदला में राशन वितरण

आर्य उप प्र. सभा झांसी बस अड्डे पर भोजन वितरण

आर्यसमाज दक्षिण अफ्रीका द्वारा भोजन वितरण

गुरुकुल आमसेना आश्रम ओडिशा द्वारा सैनिट्राइजेशन

आर्य समाज बुढाना मेरठ द्वारा राशन वितरण

Continue from last issue

Maharish Dayanand Saraswati's Beliefs

All men should act upon the disinterested advice of these truly great sages.

Now, to mention briefly those simple truths with their proper meanings, which I have always believed in, and which have served me, as it were, for the beam of light in crossing the tempestuous ocean of life upon the earth. They are described at large in my works.

1. The Supreme Being is called by the names of Brahma the Most High Paramatma (the Soul of the universe) the Almighty Lord, and the like. His chief attributes are denoted by the Sanskrit formula of *Sat chit anand,* which literally signifies that God is truth, intelli- gence, and happiness. God is absolutely holy and wise. His nature attributes, and power are all holy. He is ominipresent, .incorporal, unborn, immense, omniscient,omnipotent, mereciful and just. He is the maker, protector and destroyer of worlds. He judges the action of souls according to His immutable laws of justice and equity. Him I consider and believe from the core of my heart to be the Lord of the universe.

2. The Vedas, the treasury of science and. morals, are revealed by God. I regard their textual portion as selfevident truth, admitting of no doubt and depending on the authority of no other book. *being represented in nature, the kingdom of God.* It is the condition of all kinds of proof, and is, therefore, capable of being proved by no other demonstration than by *reductio ad absurdum.* As for example, the sun or the lamp, being a self luminous body; requires no light from without to be seen.

The authenticity of commentaries on the Vedas, called *viz.,* the Brahmanas 6 Angas, 6 Upangas, 4 Upvedas and 1127 Shakhas, all composed by Brahma and other sages, lies in their adherence to the text, the least departure from which annihilates their authority.

3. Religion consists in the maintenance of impartiality and justice, the speaking of truth and the similar acts of virtue, which are the commandments of God and are, therefore consistent with the import of the Vedas. Irreligion is the commission of partiality and injustice, the telling of lies and the like acts of vice, which are the viola- tion of God's laws and are, therefore, opposed to the sense of the Vedas.

4. The soul is immortal, invisible principle, which is. endowed with thought and judgment, desire and passion, pleasure and pain, and so forth.

To be continued.....

With thanks By:
"Flash of Truth"

कोरोना आपदा : जरुरतमंदो की सेवा में जुटा आर्य समाज एवं कार्यकर्ता

कोराना वायरस आज पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। अगर अपने देश भारत की बात करें तो यहां ऐसे लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है जो रोज कमाते और खाते हैं, लेकिन कोरोना वायरस के चलते हुए लॉकडाउन ने ऐसे लोगों के रोजी-रोटी को भी लॉकडाउन कर दिया है। हालांकि इस लॉकडाउन के दौरान कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे, इसको लेकर केंद्र और राज्य सरकार की ओर से जरूरतमंदों के लिए भोजन व राशन की व्यवस्था की जा रही है, लेकिन करीब 135 करोड़ की आबादी वाले इस देश में इस काम को कर पाना तब तक संभव नहीं हो पायेगा जब तक हम सबकी भागीदारी नहीं होगी। ऐसे में राष्ट्र और उसके नागरिकों पर आये संकट के समय में आर्यसमाज, सरकार के साथ कंधे से कंधा मिला के खड़ा नजर आ रहा है। अपने स्थापना के 145 साल में आजादी की लड़ाई से ले पर प्राकृतिक आपदा आदि जब भी राष्ट्र पर कोई भी संकट आया है तो आर्यसमाज संगठन के कार्यकर्तओ ने तन-मन-धन से राष्ट्र सेवा में अपना योगदान दिया है।

भोजन और राशन वितरण

आर्यसमाज की सर्वोच्च सभा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनधि सभा के आह्वान पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के अंतर्गत आर्यसमाज मंदिरों में प्रतिदिन लगभग 80 हजार से अधिक लोगों के लिए दोनों समय के भोजन की व्यवस्था की जा रही है। आर्य समाज से राष्ट्रीय प्रवक्ता विनय आर्य ने बताया की राष्ट्रीय राजधानी के आर्य समाज के कार्यकर्ता प्रीत विहार, विकास नगर, हस्तसाल, डिफेन्स कालोनी, विकासपुरी, नौरोजी नगर, कीर्ति नगर, रामपुरा, ग्रेटर कैलाश पार्ट-, 1बाहरी रिंगरोड, द्वारका, जनकपुरी, नरेला, जहांगीरपुरी जैसे विभिन्न इलाकों के जरूरतमंदों, बेसहारा लोगो में राशन, फल, सब्जी, और भोजन के पैकिट वितरित कर रहे हैं। इसके साथ-साथ सरकारी आश्रय घरों में भी रह रहे हजारों गरीबों को राशन और भोजन के पैकेट्स वितरित कर रहे हैं। इन इलाकों में रह रहे जरूरतमंदों को हर रोज अब आर्य समाज के कार्यकर्ताओं का इंतजार रहता है। श्री विनय आर्य के अनुसार राशन और भोजन वितरित करते समय एक जगह लोग जमा न हो इसके लिए दिल्ली पुलिस और प्रशासन का भी पूरा सहयोग लिया जा रहा है।

साथ ही आर्यसमाज के कार्यकर्ता सामाजिक दूरी के निर्देश देकर भी लोगों को जागरूक कर सरकार के इस अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं। इनके अलावा इस समय आर्य समाज के शीर्ष नेता और एम.डी.एच समूह के चेयरमैन पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी के प्रेरणा से चल रही सहयोग परियोजना के कार्यकर्ता भी जरूरतमंद परिवारों में राशन वितरण का कार्य कर रहे हैं। दिल्ली के अलावा देश के अन्य हिस्सों में भी आर्यसमाज के कार्यकर्ता लॉक डाउन के समय असहाय लोगों की सहायता करते हुए राष्ट्र और मानव सेवा में जुटे हुए हैं।

दुर्गम और आदिवासी बाहुल इलाके में सेवा

अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ के अंतर्गत मध्यप्रदेश के झाबुआ में स्थित महाशय धर्मपाल एम.डी.एच दयानंद आर्य विद्या निकेतन बामनिया के कार्यकर्ताओं द्वारा आदिवासी बाहुल इलाके के अनेक गरीब जरूरतमंद लोगों को राशन सामग्री वितरण किया जा रहा है।

देश के अन्य आर्य प्रांतीय सभाओ का योगदान

उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार, पंजाब, तेलंगाना, मध्यप्रदेश, हरयाणा, उत्तराखंड, गुजरात, महाराष्ट्र आदि के प्रांतीय आर्य प्रतिनिधि सभाओं से सम्बंधित आर्य समाज मंदिर और आर्य वीर दल के कार्यकर्ताओ द्वारा असहायों और जरुरतमंदोंको भोजन के पैकेट वितरित किये जा रहे हैं। वहीं कई परिवारों को आटा दाल व तेल आदि राशन का वितरण भी किया जा रहा है।

सेनेटाईजेशन

आर्यसमाज सूरसागर जोधपुर के कार्यकर्ताओं द्वारा पुलिस प्रशासन की सहायता के इलाके में सेनेटाईजेशन का कार्य किया जा रहा है। ओडिशा के गुरुकुल आमसेना आश्रम द्वारा भी अपने जिले में सैनिट्राइजेशन का कार्य उसके ब्रह्मचारियों द्वारा किया जा रहा है।

आईसोलेशन हेतु भवन के स्थान देना

जोधपुर की महर्षि दयानंद सरस्वती स्मृति भवन न्यास ने अपने सभागार के 42 कमरे कोरोना पीड़ितों के आइसोलेटेड वार्ड बनाने की सुविधा के लिए जिला प्रशासन को स्वइच्छा से दे दिए गये हैं।

वहीं हरियाणा आर्य प्रतिनिधि सभा दयानंद मठ रोहतक में ठहरे सेकड़ों प्रवासी मजदूर परिवारों का जहा भोजन और रहने की व्यस्था की जा रही है वही योग ध्यान यज्ञ आदि के द्वारा उन के स्वस्थ्य का ध्यान भी रखा जा रहा है

अन्तरराष्ट्रीय योगदान

दक्षिण अफ्रीका में लॉकडाउन के चलते आर्य समाजदक्षिण अफ्रीका द्वारा डेनिस हर्ले सेंटर के सहयोग से मूसा मोबीदा स्टेडियम और आसपास के 2000 बेघर लोगों की देखभाल की जा रही है और भोजन की व्यस्था की गई है।

आर्थिक सहायता

आर्य समाज के शीर्ष नेता और एम.डी.एच समूह के चेयरमैन पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी द्वारा 5 करोड़ रुपया देने की घोषणा की गई। महाशय जी द्वार प्रधानमंत्री राहत कोष में 2.5 करोड़ रुपये, दिल्ली मुख्यमंत्री राहत कोष में 1 करोड़ रुपये, हरियाणा सरकार के कोरोना राहत कोष में 1 करोड़ रुपये, मुख्य मन्त्री राहत कोष सिक्किम में 11 लाख रुपये के साथ-साथ वर्तमान स्थिति एवं सेवा कार्यों को देखते हुए पुन: दिल्ली मुख्यमन्त्री राहतक कोष में एक करोड़ रुपये की सहयोग राशि प्रदान की। महाशय धर्मपाल जी देश भर में आर्य समाज द्वारा कोरोना पीड़ितों के लिए बनाए राहत कोष में 50 लाख रुपये दिए गए हैं। देश भर में फैली 12 हजार से अधिक आर्यसमाज की संस्थाओ द्वारा विभिन सरकारी राहत कोषो में लाखो रुपय दान सवरूप भी निरंतर भेजे जा रहे हैं।

आर्यसमाज को समर्पित विद्वानों, भजनोंपदेशकों, धर्माचार्यों और सेवकों को सहयोग

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली के उन सभी आर्यसमाजों के धर्माचार्यों एवं सेवकों को आर्थिक सहयोग भी प्रदान कर रही है जो केवल आर्यसमाज के प्रति पूर्ण समर्पित हैं और आर्यसमाज के अलावा कहीं ओर कोई भी सेवा या व्यवसाय नहीं कर रहे हैं।

वैदिक विद्वान एवं भजनोपदेशक

सभा आर्यसमाज के उन सभी वैदिक विद्वानों, उपदेशकों और भजनोपदेशकों के सहयोग की भी योजना बना रही है, जो आर्यसमाज के आलवा कहीं ओर कोई भी सवा नहीं करते हैं तथा जिनका जीवन आर्यसमाज पर ही निर्भर है। लॉक डाउन की स्थिति के चलते इन सबका भी जीवन शिथिल हो गया है। अत: सभा की ओर से इन्हें भी आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

आर्यवीर एवं आर्य वीरांगना दल

आर्य वीर दल एवं वीरांगना दल आर्यसमाज का भविष्य है। आर्यसमाज की युवा पीढ़ी ये आर्य वीर एवं वीरांगनाएं अपने आपको और अपने परिवार को आर्यसमाज के कटा न समझें और संकट के इस दौर में आर्यसमाज का कार्य निरन्तरतर से करते रहें, बिना अपने परिवार और समाज की चिन्ता किए। इसके लिए उन्हें भी दिल्ली आर्य प्रतितिनिधि सभा की ओर से विशेष सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

यह सहयाता सहयोग केवल और केवल दिल्ली की राजकीय सीमा के अन्तर्गत कार्यरत धर्माचार्यों, सवकों और आर्यवीर व वीरांगनाओं के लिए ही है।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर
आर्यसमाज कोरोना आपदा कोष में आहुति देने वाले महानुभावों की सूची

1. सर्वश्री महाशय धर्मपाल जी	5000000	18. सतीश कुमार मिनोचा	10000	35. समीर मल्होत्रा	11000	52. चन्दन कुमार	400
3. हिमांशु अग्रवाल	50000	19. एस. पी. सिंह	5000	36. श्रीप्रकाश यादव	500	53. शशांक मणि	1000
3. विद्यामित्र ठुकराल	50000	20. श्वेता यादव	1100	37. गौरव श्रीवास्तव	1001	54. देवांश आर्य	501
2. मयंक सिंह	1100	21. सत्यवीर	1000	38. योगेन्द्र कुमार शर्मा	1100	55. मनोहर लाल गुप्ता	5000
5. जयदेव गुप्ता	11000	22. श्रीमती शकुन्तला जुनेजा	21000	39. जगदीशचन्द्र यादव	500	56. कैलाश	11
6. सत्येन्द्र कुमार भसीन	3100	23. बाबू जायसवाल, गौरव इंडस्ट्रीज	5100	40. काशी रेड्डी	100	57. आ.स. विशाखा एन्कलेव	11000
7. गौरव गुप्ता	21000	24. अशोक कुमार	20	41. रजनीश	1008	58. विवेकचन्द्र मिश्रा	151
8. कर्मयोगी मिगलानी	1100	25. रवि कुमार	200	42. कपिल कुमार आर्य	151	59. राजीव सूद	2000
9. राजीव कुमार माटा	5000	26. देवेन्द्र गुप्ता	2100	43. श्रीमती किरणलता सिंह	101	60. कार्तिक जिन्दल	21000
10. अनिल राजपाल	2000	27. सुभाष अग्रवाल	5000	44. राहुल आर्य	5000	61. अभिषेक	101
11. सत्यानन्द आर्य	25000	28. आ.स.डी ब्लाक जनकपुरी	10000	45. सुनील यादव	501	62. नरेश कुमार मौर्य	1100
12. आर्यसमाज सुन्दर विहार	46500	29. वीरेन्द्र आर्य	1000	46. देवराज आर्य	5000	63. राम प्रकाश	5100
13. वेद पकाश रोहिल्ला	5000	30. श्रीमती लक्ष्मी डबराल	2000	47. कुमार सदानन्द आर्य	1100	64. पीयूष गुप्ता	150
14. आर.आर. रस्तोगी	5000	31. आ. स. रोहिणी सै.7	51000	48. सौरभ कुमार गुप्ता	100	65. राजीव कुमार	5000
15. स्त्री आ.समाज लाजपत नगर	11000	32. आ. स. सूरजमल विहार	51000	49. रवि बहल	2100	66. सुश्री श्वेता चड्डा	10000
16. मनीष सिंह	51	33. दीपक कंसल	5100	50. पवन नागपाल	1000	67. योगेश आर्य	30000
17. श्रीमती मंजू आर्या	21000	34. जयपाल गर्ग	21100	51. ज्ञान प्रकाश	1000		- क्रमशः

सार्वदेशिक सभा के आह्वान पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा समस्त अर्यसमाजों, शिक्षण संस्थानों, गुरुकुलों, विद्यालयों, व्यापारिक संस्थानों, दानी महानुभावों, आर्यसन्देश साप्ताहिक पाठकवृन्दों तथा जन समान्य से अधिकाधिक सहयोग प्रदान करने की अपील करती है, ताकि देश आए इस विपत्ति काल कोरोना वायरस से फैले संक्रमण के समय देश मे लागू लॉक डाउन से प्रभावित गरीबों, निर्धनों, असहाय, दैनिक दिहाडी मजदूरों, प्रवासी नागरिक मजूदरों के भोजन, राशन, पानी तथा अन्य आवश्कताओं की पूर्ति की जा सके। कृपया अपनी दान राशि नकद/चैक/बैक ड्राफ्ट के माध्यम से **'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा'** के नाम **15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001** के पते पर भेजें।
आप अपना आर्थिक सहयोग सीधे सभा के बैंक खाते में भी जमा कर सकते हैं -

Delhi Arya Pratinidhi Sabha - A/c No. 910010001816166
IFSC Code : UTIB0000223 Axis Bank Karol Bagh

कृपया अपनी सहयोग राशि जमा करते ही श्री अशोक कुमार जी को मोबाइल नंबर 9540040322 पर सूचित करें ताकि आपको आपके दिए गए सहयोग रसीद यथाशीघ्र भेजी जा सके।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को दिया गया समस्त दान आयकर अधिनियम की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर मुक्त है। - *महामन्त्री*

पृष्ठ 2 का शेष

लॉक डाउन पर तब्लीगी .....

लेकिन इससे अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि ये लोग आम आदमी कोढ़ी बना देते हैं यानी उसे ऐसा कर देते है कि देश व राष्ट्र के किसी काम का नहीं रहता। हर बंदे के हाथ में तस्बीह देकर मस्जिद में बिठा देते हैं। इस दुनिया में जो कुछ हो रहा है उसे छोड़ो, इस्लाम की चिंता करो।

असल में तब्लीगियो ने आम आदमी को अपने जिम्मेदारियो सांसारिक दायित्वों से अनजान कर देश व राष्ट्र का बेड़ा गर्क कर दिया है। वे हर किसी को अपने साथ प्रचार में ले जाने की जिद पर हैं। खुद तो अपनी जिम्मेदारियों से बचते है और दूसरे को भी इसी राह पे लगाने की कोशिश करते है। सवाल यह है कि अगर कोई व्यक्ति अपना घर बार, पत्नी बच्चे छोड़कर साल भर, तीन महीने या चालीस दिन के लिए दूसरों को सीधा रास्ता दिखाने निकल पड़े और इस बीच अपने घर वाले भटक जाएं तो क्या तीर मारा। पत्नी बीमार बच्चे को ले कर कहाँ मारी मारी फिरे होगी, जिसे पता ही नहीं कि अपने शहर में अस्पताल किधर है और जिसे आप पुरुष चिकित्सक से मिलने नहीं देते कि वह नाम हराम है।

तबलीगियों से आखिर में यही कहना चाहूगा के कि आप अपनी सारी जिम्मेदारियां पूरी करते हुए समाज में हो रहे अन्याय के खिलाफ संगठित तरीके से संघर्ष करे। इससे बढ़कर न तो धर्म की सेवा कर सकते हैं और न ही बढ़कर कोई पूजा हो सकती है। वरना चुपचाप मस्जिद के किसी कोने में बैठकर तस्बीह घुमा घुमा कर अपनी जन्नत पक्की करते रहें और बाकी लोगों को नाकारा न बनाये खास तौर से समाज लोगो को मजहब के नाम पर बर्बाद न करें, उन्हें समाज देश में अपना योगदान करने दें। - ***सम्पादक***

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा
के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण
(द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ
सत्यार्थ प्रकाश
सत्य के प्रचारार्थ

● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
● स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन
कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें
आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650522778
E-mail : aspt.india@gmail.com

शोक समाचार

श्री जगदीश आर्य जी का निधन

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के पूर्व कोषाध्यक्ष एवं आर्यसमाज राजौरी गार्डन एवं महर्षि दयानन्द पब्लिक स्कूल राजौरी गार्डन नई दिल्ली के वर्षों तक प्रधान रहे श्री जगदीश आर्य जी का दिनांक 24 मार्च, 2020 को निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के साथ पंजाबी बाग शनशान घाट में किया गया।

पं. श्रुतिकांत जी का निधन

पंजाब के वैदिक सत्संग परिवार के श्री पं. श्रुतिकान्त जी का 30 मार्च, 2020 को पंजाब में निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के साथ किया गया।

पण्डिता राकेश रानी जी का निधन

आर्यसमाज के मूर्धन्य वैदिक विद्वान स्व. श्री भारतेन्द्र नाथ (महात्मा वेदभिक्षु) जी की धर्मपत्नी, आर्यसमाज पत्रिका जनज्ञान की सम्पादिका एवं प्रसिद्ध प्रकाशन संस्थान की स्वामिनी पण्डिता राकेश रानी जी का 9 अप्रैल, 2020 की रात्रि में रामायण धारावाहिक देखते-देखते निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति से किया गया।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक

साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 6 अप्रैल, 2020 से रविवार 12 अप्रैल, 2020

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान् रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2018-19-2020

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 9-10 अप्रैल, 2020

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018-19-2020

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 8 अप्रैल, 2020

प्रथम पृष्ठ का शेष

आज फिर वैसी ही स्थिति देश के सामने हैं। हमें अपने समाज को, अपने भाइयों बहनों बच्चों को बचाने के लिए उनको भोजन तथा अन्य आवश्यक सामग्री जो इस लॉक डाउन की स्थिति में उनकी दैनिक दिनचर्या को चलाने के लिए आवश्यक है उन्हें उपलब्ध कराई जाए।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा ऐसे जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए सहयोग एकत्र करने का निर्णय लिया है। इसमें आप सबकी भागीदारी सहर्ष अपेक्षित है। पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी ने अपने 97वें जन्म दिवस के अवसर पर 50 लाख रुपये की राशि से इस सहायता कोष का शुभारंभ किया है।

आपसे निवेदन है कि आप भी अपना अधिकाधिक सहयोग **'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा'** को प्रदान करें ताकि सभा आर्य समाजो के माध्यम से उनके क्षेत्र में रहने वाले दैनिक मजदूरों दिहाड़ी मजदूरों और ऐसे जरूरतमंद परिवारों को भोजन तथा अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचा सके, जो हम सबके स्वास्थ्य रक्षा में सहयोगी बने हैं और अपने घर पर ही रह कर भूख जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं।

आप अपना सहयोग **'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा'** के नाम से चेक/बैंक ड्राफ्ट/मनी ऑर्डर के माध्यम से सभा के पते - **15 हनुमान रोड नई दिल्ली 110001** के पते पर भेज सकते हैं। **आप अपना आर्थिक सहयोग सीधे सभा के बैंक खाते में भी जमा कर सकते हैं -**

Delhi Arya Pratinidhi Sabha - A/c No. 910010001816166
IFSC Code : UTIB0000223 Axis Bank Karol Bagh

प्रतिष्ठा में,

कृपया अपनी सहयोग राशि जमा करते ही श्री अशोक कुमार जी को मोबाइल नंबर 9540040322 पर सूचित करें ताकि आपको आपके दिए गए सहयोग रसीद यथाशीघ्र भेजी जा सके।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80 जी के अंतर्गत आयकर छूट प्राप्त है। आप सबसे निवेदन है कि आप स्वयं भी अधिकाधिक सहयोग करें तथा अपने मित्रों रिश्तेदारों, परिचितो और अन्य सहयोगी महानुभावों को भी इस आपत्ति काल में देश के जरूरतमंद नागरिकों के सहयोग के लिए प्रेरित करें। धन्यवाद

(धर्मपाल आर्य)	(विनय आर्य)	(विद्यामित्र ठुकराल)
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
9810061763	9958174441	9810072175

महर्षि पाणिनि कन्या वेद पाठशाला वाराणसी के विस्तार केंद्र का शिलान्यास

महर्षि पाणिनि कन्या वेद पाठशाला के विस्तार केंद्र का शिलान्यास 16 से 18 मार्च 2020 को नियोजीत गेट नंबर 78, मु. पो.आडगांव (बु. त0. जि. ओरांगाबाद समभाजी नगर) में पूज्य स्वामी गोविंददेव गिरि महाराज जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर सार्वदेशिक सभा के प्रधान श्री सुरेश चंद्र आर्य जी, स्वामी श्रद्धानंद जी एवं अनेक संचालक, मार्गदर्शक और संरक्षक महानुभाव उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि पाणिनि कन्या विद्यालय जहां चारों वेदों का सस्वर वेदपाठ एवं पाणिनि व्याकरण सहित आर्ष ग्रन्थों को पढ़ने और पढ़ाने का महाराष्ट्र और दक्षिण भारत का प्रसिद्ध केन्द्र सिद्ध हो रहा है। इसका विस्तार केंद्र वैदिक संस्कृति और संस्कारों का विशेष केंद्र बनेगा। इस अवसर पर आचार्य नंदिता शास्त्री जी, प्रधानाचार्या, सौ. ज्योति तोषिनीवाल, प्रबंधक श्री रमेश ठाकुर, सहप्रबंधक सौ. मंत्री, आदि अनेक अतिथगण और आर्यजन उपस्थित थे।

- आचार्या नंदिता शास्त्री चतुर्वेदी

खेद व्यक्त

खेद है कि कोरोना वायरस से उत्पन्न संक्रमण की वैश्विक महामारी के कारण सम्पूर्ण भारत में लागू लॉक डाउन की स्थिति के चलते आर्यसन्देश साप्ताहिक के गत दो अंक प्रकाशित नहीं हो सके हैं। अभी भी लॉक डाउन की स्थिति बनी हुई है। अतः इस यह अंक ई-पत्र के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। कपया घर में रहें - स्वयं स्वस्थ रहें और परिवार के साथ-साथ समाज को भी स्वस्थ बनाए रखने में सहयोग करें।

- सम्पादक

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह